आज की मुरली का सहज सार और सहज पुरुषार्थ ---------- Date: 29-09-14

आज बाबा ने सब को बहुत सहज रुप से बाप का सत्य परिचय विश्व की सर्व आत्माओं को देने के लिए कहा हैं. वैसे किसी को भी बाप का परिचय हम दो-तीन लाइन में भी दे सकते हैं – किसको भी पुछेंगे "आप अपने को आत्मा (soul) समझते हो?" तो जरूर हाँ कहेंगे. फिर पुछो "आत्माओं का पिता कोन है?" जब कोई जवाब न मिले तो कहो – "परमपिता-परमात्मा". यह हो गया बाबा का परिचय. अगर सामने वाला भारतीय है तो एक और प्रश्न पुछ सकते है – "हमारे भारत में जितने भी देवी-देवता है उनमें से परमपिता-परमात्मा किसके लिए गाया जाता है?" – अच्छा भक्त होगा तो तुरंत कहेगा – "शिव". अगर सामने वाला ज्यादा जिज्ञासु है तो उसे बता सकते है कि अभी शिव परमपिता-परमात्मा का कार्य चल रहा हैं. ज्यादा जानकारी चाहें तो नजदीक के सेन्टर का पता दे सकते हैं.

किसको भी बाबा का ज्यादा परिचय हम दे सके इसलिए बाबा की बायोग्राफी लिखकर भेज रहे हैं.

बाबा ने हमें जो ज्ञान दिया हे उसके आधार से सत्य गीता ज्ञान दांता शिवबाबा की बायोग्राफी --

नाम – शिव. बाबा ने कहा हे, एक ही आत्मा का नाम शिव हैं, हम बच्चों की आत्मा का नाम नहीं हैं. हमारे शरीर का नाम होता हे.

स्वरूप - निराकार, ज्योति सितारा. बाबा ने कहा हे, विश्व की सर्व मनुष्य आत्माओं ओर बाप की आत्मा का स्वरूप समान हे. छोटा-बडा नहीं होता.

रहने का स्थान - परमधाम / शांतिधाम / निर्वाणधाम / मुलवतन / ब्रह्म-तत्व / ब्रह्मांड / इन-कोरपोरिअल वर्ल्ड.

काल (समय) - सृष्टि रूपी ड्रामा चक्र में उनका पार्ट कलियुग के अन्त में और सतयुग के शुरू होने से पहले, संगमयुग में खुलता हैं.

महिमा - ज्ञान का सागर, प्यार का सागर, शांति का सागर, सुख कर्ता - दुख हर्ता, विश्व कल्याणकारी, मुक्ति-जीवनमुक्ति दांता, सर्वशक्तिमान, भोलानाथ, बबूलनाथ, सोमनाथ, विश्वनाथ, महाकाल, त्रिकालदर्शी, पतित-पावन, अंतरयामि, विधाता, रामेश्वरम, गोपेश्वर, ईश्वर, सत्य (ट्रुथ), भगवान, सतगुरु, रचेता, जादूगर.

ड्रामा में पार्ट - बाप, टीचर, और सतगुरु.

विशेषताये - बाबा की अनेक में से कुछ विशेषताये यहाँ बताई हुई हैं.

बाबा ने कहा है, जब तक वह स्वयं आकर खुद का परिचय ना दे तब तक उसे कोई जान नहीं सकता हैं.
बाबा हम सब जीवात्माओं का पिता हैं. हम आत्मा हैं, वह परमपिता-परमात्मा हैं.
बाबा ही सत्य गीता ज्ञान दांता है.
बाबा माता के गर्भ से जन्म नहीं लेते. बल्कि डायरेक्ट ब्रह्मा के तन में आकर हम बच्चों को ज्ञान देते है.
बाबा सदा पावन हैं. जब की हम जिवात्माये पावन से पतित बनती हे ओर बाबा हमें फिरसे पावन बनाते है.

बाबा हम सब जीवात्माओं को बच्चे-बच्चे ही कहेंगे क्योंकि वह सबसे ऊँचे ते ऊँच हैं. बाबा के ऊपर कोई नहीं.
ब्रह्मा-विष्णु-शंकर भी उनके बच्चे हैं.
बाबा पतित-पावन हैं. क्योंकि हम आत्माओं को पतित से पावन बनाते हैं.
बाबा ज्ञान का सागर हैं. क्योंकि बाबा को ही सृष्टि चक्र के आदि-मध्य-अन्त का ज्ञान हैं.
बाबा कलियुग के अन्त में आकर हम बच्चों को आत्मा, परमात्मा ओर ड्रामा का सत्य ज्ञान देते हैं. हमें पावन बनने का और कर्म-बन्धनों से मुक्त होने का रास्ता बताते हैं.
बाबा हम भाग्यशाली बच्चों के बाप बनकर पालना करते हैं, टीचर बनकर ज्ञान देते हैं और सतगुरु बनकर हमें साथ ले जाते हैं.
बाबा सर्वशक्तिमान हैं. क्योंकि वही विश्व की सर्व आत्माओं को मुक्ति ओर हम बच्चों को जीवन-मुक्ति देते हैं.
बाबा अभोक्ता हैं. क्योंकि बाबा को शरीर ही नहीं हैं.
बाबा न्यारा-प्यारा और साक्षी हैं.
बाबा सबकुछ हम बच्चों को दे देते हैं. फकत दिव्य-दृष्टि की चाबी अपने पास ही रखते हैं जिससे वह भक्तों को साक्षात्कार कराते हैं.
बाबा ही भक्तिमार्ग में भक्तों को साक्षात्कार भी कराते हैं.
बाबा ही ड्रामा में हीरो पार्टधारी हैं. ड्रामा के अन्त में आकर सभी जीवात्माओं को दुखो से मुक्त करते हैं.
बाबा को रचयिता भी कहते हैं. क्योंकि वही नई सतयुगी दुनिया की स्थापना करते हैं.
बाबा को महाकाल भी कहते हैं. क्योंकि वह हे कालों का काल.
बाबा को भोलानाथ भी कहते हैं. क्योंकि वह आत्माओं से पुराने विकारों को लेकर, आत्माओं को दिव्य-गुणों ओर शक्तिओ से भर देते हैं.
बाबा को विश्वनाथ भी कहते हैं. क्योंकि समग्र विश्व का नाथ हैं.
बाबा को सोमनाथ भी कहते हैं. क्योंकि बाबा ही हम बच्चों को ज्ञान का सोमरस पिलाते हैं.
बाबा को बबूलनाथ भी कहते हैं. क्योंकि हमारे में से कांटों जैसे विकारों को निकाल कर, हमें फूल जैसा बनाते हैं.
बाबा को त्रिकालदर्शी भी कहते हैं. क्योंकि बाबा को ही कल्प के आदि-मध्य-अन्त का सम्पूर्ण ज्ञान हैं और हम बच्चों को भी देते हैं.
बाबा को विश्व-कल्याणकारी भी कहते हैं. क्योंकि बाबा ही विश्व की सर्व आत्माओं को विकारों से मुक्त कर मुक्तिधाम ले जाते हैं.
बाबा को जादूगर भी कहते हैं. क्योंकि बाबा ही सम्पूर्ण विकारी दुनिया को सम्पूर्ण निर्विकारी बनाते हैं.
बाबा ने आकर हमें सर्व शास्त्रों, धर्मग्रंथों, वेदों, उपनिषदों का सार समझाया हैं.
बाबा ने आकर हमें भक्तिमार्ग और ज्ञानमार्ग का सही भेद समझाया हैं.
बाबा ने हमें सर्व दैवी-देवताओं का राज (razz) भी बताया हैं.
बाबा कहते है सर्व ज्ञान का सार है, दो शब्द. "अल्फ और बे" या "बाप और वर्सा" या "मनमनाभव और मध्याजीभव".
ॐ शांति.

Please provide your feedback to Atma bhai on email: a.brahmin.soul@gmail.com.